

**Library**  
**Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind**  
**Event: Workshop on the topic 'Cloud Computing**  
**in Libraries for E-Resources'**  
**18<sup>th</sup> April, 2025**

The librarian of Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind organized a one-day workshop on the topic 'Cloud Computing in Libraries for E-Resources' on 18<sup>th</sup> April, 2025. The workshop was inaugurated by Principal of the college Dr. Poonam Mor. The keynote speaker of the workshop was Mr. Ashish Kumar, Assistant Professor of Computer Science Department of Priyadarshini Indira Gandhi Government College for Women, Jind. He told the students that in today's digital age the role of libraries has gone far beyond books. Libraries provide e-resources to users in large quantities. Cloud computing has come as a technology in this process. Many libraries management software like Koha, Libsys etc. are cloud based. Cloud services also provide secure backup, which greatly reduces the possibility of data loss. Librarian Dr. Pinki told the students that in a developing country like India, this technology can take the library towards digital empowerment. Cloud computing has brought a revolution in the access and management of e-resources. Mrs. Neelam, Mrs. Sunita, Mrs. Sarita, Miss Surbhi and Mrs. Kanta were present in the workshop.

## Glimpses and Media Coverage of the Event

**Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind**  
Department of Library  
organises  
**One Day Workshop**  
on the topic  
**'Cloud Computing in Libraries for E-Resources'**

**Kernote Speaker:**  
Mr. Ashish Kumar  
Asst. Prof., Computer Science  
PLG.G.C.W., Jind

**Date:** 18th April, 2025  
**Time:** 09:00 A.M. onwards  
**Venue:** Room No. 201  
(Computer Lab.)

**Dr. Pinki**  
Convener

**Dr. Punam Mor**  
Principal




रानिवार • 19.04.2025  
amarujala.com/jind

### पुस्तकालयों की भूमिका पुस्तकों से आगे : आशीष

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय के पुस्तकालय विभाग की तरफ से क्लाउड कंप्यूटिंग का पुस्तकालयों में ई-संसाधनों के लिए उपयोग विषय पर शुक्रवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ प्राचार्य डॉ. पुनम मोर ने किया।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रियदर्शनी इंदिरा गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय जींद के कंप्यूटर विभाग के असिस्टेंट प्रो. आशीष कुमार ने शिरकत की। उन्होंने छात्राओं को बताया कि आज के डिजिटल युग में पुस्तकालयों की भूमिका पुस्तकों से कहीं आगे बढ़ चुकी है। पुस्तकालय ई-संसाधनों को बड़ी मात्रा में उपयोगकर्ता को उपलब्ध कराते हैं। इस प्रक्रिया में क्लाउड कंप्यूटिंग एक तकनीक के रूप में आई है। कई पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर जैसे कोहा, लिबसिस आदि क्लाउड आधारित हैं। क्लाउड सेवाएं सुरक्षित बैकअप भी उपलब्ध कराती हैं, जिससे डेटा के खोने की संभावना बहुत कम हो जाती है।

डॉ. पिकी ने बताया कि भारत जैसे विकासशील देश में यह तकनीक पुस्तकालय को डिजिटल संश्लेषण की दिशा में ले जा सकती है। क्लाउड कंप्यूटिंग की ओर से ई-संसाधनों की पहुंच और प्रबंधन में क्रांति आ गई है। संवाद

जीन्द, शनिवार, 19 अप्रैल, 2025  
www.jagatkranti.co.in

### पुस्तकालय विभाग द्वारा कार्यशाला का आयोजन

जगत क्रांति • जींद

हिंदू कन्या कॉलेज के पुस्तकालय विभाग द्वारा क्लाउड कंप्यूटिंग का पुस्तकालयों में ई-संसाधनों के लिए उपयोग विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. पुनम मोर द्वारा किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रियदर्शनी इंदिरा गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय जींद के कंप्यूटर विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर आशीष कुमार ने छात्राओं को बताया कि आज के डिजिटल युग में पुस्तकालयों की भूमिका पुस्तकों से कहीं आगे बढ़ चुकी है। पुस्तकालय ई-संसाधनों को बड़ी मात्रा में उपयोगकर्ता को उपलब्ध कराते हैं। इस प्रक्रिया में क्लाउड कंप्यूटिंग एक तकनीक के रूप में आई है। कई पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर जैसे कोहा, लिबसिस आदि क्लाउड आधारित हैं। क्लाउड सेवाएं सुरक्षित बैकअप भी उपलब्ध कराती हैं जिससे डेटा के खोने की संभावना बहुत कम हो जाती है। छात्राओं को बताया कि भारत जैसे विकासशील देश में यह तकनीक पुस्तकालय को डिजिटल संश्लेषण की दिशा में ले जा सकती है। क्लाउड कंप्यूटिंग द्वारा ई-संसाधनों की पहुंच और प्रबंधन में क्रांति आ गई है। कार्यशाला में नीलम, सुनीता, सूरिता, कुमारी सुराज और काला उपस्थित रहे।